नई दिल्ली › रविवार, 26 सितंबर 2021 › अश्विन 4 शक संवत 1943 अश्विन कृष्ण पंचमी विक्रम संवत 2078 YOUNG INDIA > YOUNG PAPER वर्ष 17, संख्या 39 › पेज 28* › नोएडा › मूल्य 3.50 या 9.00* रुपये संडे टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in

देखें अंदर

# NBT संडे नवभारत टाइम्स

मोदी ने पाक को सुनाई खरी-खरी

देखें अंदर

# घर खरीदारों का पसंदीदा डेस्टिनेशन बनकर उभर रहा है नोएडा

**शानदार जगह, बेहतरीन कनेक्टिविटी और कई बेजोड सुविधाओं के चलते नोएडा खरीदारों का फेवरेट बनता जा रहा है**

Jadav.Kakoti
@timesgroup.com

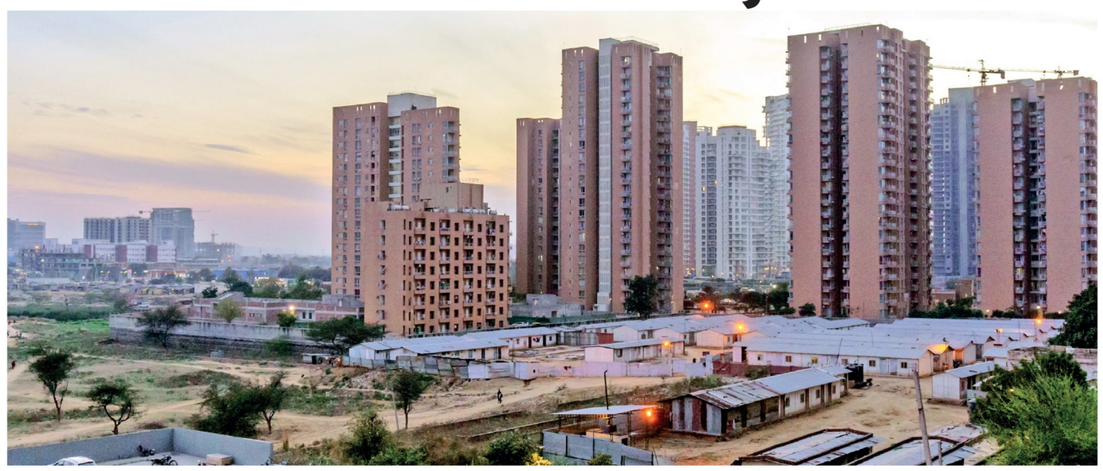

नोएडा उत्तर भारत के प्रमुख रियल्टी सेंटर्स में से एक है, जो रियल एस्टेट, मैन्यूफैक्चरिंग और सर्विस इंडस्ट्री के मिश्रण के लिए जाना जाता है। अच्छी कनेक्टिविटी, मजबूत बुनियादी ढांचा, किफायती यह कुछ कारण हैं, जो खरीदारों को आकर्षित करते हैं। दिल्ली पहले से ही रियल एस्टेट विकास में आगे है और इसकी तुलना में नोएडा के मामले में यह सैचुरेशन प्वाइंट पर पहुंच गया है। खरीदारों के लिए नोएडा ग्रीन पैच होने के चलते अधिक किफायती है। कुछ साल पहले नोएडा में मेट्रो सेवाओं के विस्तार ने इलाके को खरीदारों के लिए और भी आकर्षक बना दिया है।

आज, नोएडा में कई रेडी-टू-मूव-इन घर मौजूद हैं। ऐसे घर अधिक लोकप्रिय हैं और निर्माणाधीन घरों की तुलना में ज्यादा डिमांड में रहते हैं। यह निर्माणाधीन घरों की तुलना में रेडी टू मूव इन घरों से काफी पीछे हैं और कई फायदों के चलते लोग रेडी टू मूव इन को ही पसंद करते हैं।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान, नोएडा का रियल्टी परिदृश्य बहुत बदल गया है। प्रतिस्पर्धी रेस्डेंशियल रियल एस्टेट की कीमतों और चुनने के लिए विभिन्न प्रकार के आवास स्वरूपों के साथ, नोएडा के पास एंड यूजर और इंवेस्टर के लिए कई विकल्प मौजूद हैं।

एनसीआर के अन्य उपनगरों की तुलना में नोएडा में हमेशा से ही बेहतर बुनियादी ढांचा रहा है। इसलिए, नोएडा में रियल्टी अब गाजियाबाद, कुंडली, फरीदाबाद आदि की तुलना में अधिक पसंद किया जाता है, हालांकि यह गुड़गांव की रियल्टी को न पीछे छोड़ पाया है और न ही उसका मुकाबला कर पाया है।

नोएडा में पहले से ही दिल्ली मेट्रो का सबसे लंबा नेटवर्क है (अन्य उप-शहरों की तुलना में) जिसके और बढ़ने की उम्मीद है। बेहतर कनेक्टिविटी के परिणामस्वरूप प्रारंभिक औद्योगिक क्षेत्र सभी दिशाओं से असंख्य समूह आवास परियोजनाओं से घिरे हुए हैं।

इसके अलावा, डीएनडी की त्वरित और आसान पहुंच नोएडा में विभिन्न आकर्षक मॉल को नदी से परे दिल्ली में अपने जलग्रहण को बढ़ाने की अनुमति देती है। ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे, और डीएनडी के साथ इसका लिंक, दिल्ली से सर्वोत्तम संभव कनेक्टिविटी प्रदान करता है। इसके परिणामस्वरूप एक्सप्रेसवे कार्यालय में रहने वालों के लिए पसंदीदा सूक्ष्म बाजार में से एक बन गया है।

विभिन्न अंडरपास और एलिवेटेड रोड ने नोएडा के भीतर पहुंच में सुधार किया है। इसलिए लगभग सभी आवासीय परियोजनाएं चालू होने के 12-24 महीनों के भीतर अच्छी व्यस्तता देखी जाती हैं।

अंत में, आईजीआई से दूरी के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे को हटाकर जेवर में नया हवाई अड्डा रियल्टी नोएडा के लिए सबसे बड़ी चीज साबित हो सकता है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड के सीईओ, नार्थ, गौरव पांडे बताते हैं कि कुल मिलाकर, नोएडा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तेजी से रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचे के विकास,

> नोएडा में मिलेनियल्स किराए पर रहने के बजाय प्रॉपर्टी खरीदने में तेजी से दिलचस्पी ले रहे हैं, क्योंकि यह न केवल उनके लंबे समय से रुके सपने को पूरा करता है,बल्कि उन्हें ओनर बनाने के साथ-साथ उनके भविष्य को भी सिक्योर करता है।

बेहतर सड़क संपर्क और यमुना एक्सप्रेसवे, ब्लू लाइन मेट्रो कॉरिडोर, मेट्रो एक्वा लाइन, दिल्ली नोएडा डायरेक्ट फ्लाईवे और ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे से रणनीतिक निकटता के कारण वैल्यू ओरियंटेड रिटर्न के लिए सबसे आकर्षक स्थानों में से एक के रूप में उभर रहा है। नोएडा नए जमाने के घर खरीदारों और निवेशकों के लिए दिल्ली के सबसे लोकप्रिय जगहों में से एक बन गया है। सेक्टर 150 और सेक्टर 43 कई डेवलपर्स के लिए विकास चालक हैं क्योंकि वे शहर के विभिन्न हिस्सों में सुविधाजनक पहुंच प्रदान करते हैं। प्रस्तावित छह रनवे के साथ आगामी जेवर हवाई अड्डा इसे एशिया का दूसरा सबसे बड़ा, भारत का सबसे बड़ा हवाई अड्डा बना देगा और सेक्टर 43 से एक त्वरित ड्राइव होगा, जिससे अंतरराष्ट्रीय यात्रा मार्ग आसान हो जाएगा। हम उच्च गुणवत्ता वाले विकास के लिए इस शहर में भारी रुचि और उठाव देख रहे हैं।

सीबीआरई साउथ एशिया के एमडी, एडवाइजरी एंड ट्रांजैक्शन सर्विसेज इंडिया, रजत गुप्ता कहते हैं कि शहर का मजबूत बुनियादी ढांचा, प्रतिस्पर्धी किराये की दरों पर क्वालिटी कमर्शियल प्रॉजेक्ट्स की उपलब्धता और कई हाई एंड रिटेल डिवेलपमेंट्स व अपटेक्स की मौजूदगी शहर की समग्र प्रोफाइल को बढ़ावा देने में मदद कर रही है।

नोएडा के विकास में योगदान देने वाला एक अन्य कारण यह है कि कई कॉरपोरेट्स ने अपना संचालन स्थापित करने के लिए एनसीआर के अन्य हिस्सों में नोएडा को चुना है। इसलिए आस-पास के क्षेत्रों के युवा पेशेवर नोएडा में या तो किराए के आवास पर रहना या घर खरीदना पसंद करते हैं। नोएडा में जो भव्य मॉल बने हैं, उन्होंने भी नोएडा में रिटेल मार्केट को बढ़ावा दिया है। आगे जाकर, यह क्षेत्र इंफॉमेशन टेक्नॉलजी (आईटी) और अन्य प्रमुख उद्योगों से वैश्विक कॉरपोरेट्स के लिए एक एंट्री प्वाइंट बना रहेगा। स्किल्ड मैनपावर, रियल एस्टेट लागत/उपलब्धता और बुनियादी ढांचे में सुधार के बल पर यह क्षेत्र वैश्विक इन-हाउस केंद्रों (जीआईसी) के लिए एक पसंदीदा डेस्टिनेशन के रूप में आगे बढ़ता रहेगा।

## मिलेनियल्स को पसंद है अपना घर

हाल के समय में, अधिक से अधिक मिलेनियल्स नोएडा को घर खरीदने के लिए अपनी पसंदीदा जगह के रूप में चुन रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि सैटेलाइट टाउन में सभी आधुनिक सुविधाएं हैं, जो एक खरीदार घर खरीदने से पहले देखता है। इस बारे में विस्तार से गौर समूह और उपाध्यक्ष, उत्तर, क्रेडाई नेशनल के सीएमडी मनोज गौर कहते हैं कि घर खरीद के निर्णय को प्रभावित करने वाला सबसे अहम बिंदु में सामर्थ्य, कनेक्टिविटी, स्थान, रोजगार के अवसर और माहौल यह सब शामिल हैं। सौभाग्य से, ये सभी कारक वर्तमान में नोएडा के पक्ष में हैं। नोएडा में प्रापर्टीज दिल्ली-गुरुग्राम की तुलना में सस्ती हैं। यह शहर दिल्ली और एनसीआर के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

इस बारे में विस्तार से गौर समूह और उपाध्यक्ष, उत्तर, क्रेडाई नेशनल के सीएमडी मनोज गौर कहते हैं कि घर खरीद के निर्णय को प्रभावित करने वाला सबसे अहम बिंदु में सामर्थ्य, कनेक्टिविटी, स्थान, रोजगार के अवसर और माहौल यह सब शामिल हैं। सौभाग्य से, ये सभी कारक वर्तमान में नोएडा के पक्ष में हैं। नोएडा में प्रापर्टीज दिल्ली-गुरुग्राम की तुलना में सस्ती हैं। यह शहर दिल्ली और एनसीआर के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।